मरीजों को सहजता से उपलब्ध हों गुणवत्तापूर्ण दवाएं: शुक्ल

चिकित्सकीय संस्थानों में दवाओं और उपकरणों की ख़रीदी की समीक्षा की

भोपाल (काप्र)।

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में मरीज़ों की आवश्यकतानुसार दवाओं की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि मौसम और रोगों के आधार पर दवाओं की मांग का आंकलन किया जाये। आवश्यक दवाओं का रख-रखाव व्यवस्थित तरीक़े से किया जाये, जिससे दवाओं के अपव्यय को रोका जा सके और उनका उचित उपयोग सुनिश्चित हो।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में प्रदेश में दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, ख़रीदी और भंडारण व्यवस्था की समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मो. सुलेमान, एमडी मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज़ कॉर्पोरेशन लिमिटेड डॉ पंकज जैन, सीजीएम एफडीए वीरभद्र शर्मा, सीजीएम टेक्नीकल डॉ पंकज पाराशर, डॉ. पंकज पंचोली सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप-मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा प्रचलित गतिविधियों और बजट प्रावधान अनुसार प्रावधानित कार्रवाई की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि दवाओं और उपकरण की ख़रीदी पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जाये। उपकरणों और दवाओं की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के आधार पर ही की जाये। उन्होंने ई-औषधि पोर्टल को सहज और पारदर्शी बनाने के लिए बनाने के लिए आवश्यक अपडेट करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मांग की आंकलन अनुसार दवाओं का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जाये इससे नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े और उन्हें सहजता से आवश्यक दवाएँ उपलब्ध हों। उपकरणों की ख़रीदी सुनियोजित रूप से की जाये जिससे अधोसंरचना विकास के साथ ही चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित हो और विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों से सेवाओं का सुचारू रूप से प्रदाय किया सके। उन्होंने विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कार्पोरेशन लिमिटेड का गठन वर्ष 2014 में हुआ था। कार्पोरेशन का मुख्य उद्देश्य दर अनुबंध सुनिश्चित करना है, साथ ही प्रदेश की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में उपयोग के लिये दवाओं, कन्ज्युमेबल्स्, उपकरणों के लिए केन्द्रीयकृत दर, मात्रा अनुबंध उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही कार्पोरेशन विभिन्न आऊटसोर्स सेवाओं के लिए भी निविदा आमंत्रण का कार्य करती है। नवीन दवानीति-2023 में औषधियों की निविदा में सिर्फ वही दवा निर्माता कंपनी भाग ले सकती हैं जिनके पास डब्ल्यूएचओ-जीएमपी प्रमाण-पत्र उपलब्ध हों।

प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने तेजी से हो रहे हैं प्रयास: कोठारी

भोपाल (काप्र)। मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ सहकारी समिति परिसर में सचिव मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग डॉ. नवनीत मोहन कोठारी की उपस्थिति में मछुआ दिवस मनाया गया।

प्रति वर्ष 10 जुलाई 1957 को डॉ. हीरालाल चौधरी द्वारा सीफा भुवनेश्वर में पहली बार सफर मछली का सफलतापूर्वक प्रजनन कराया गया था। यह एक ऐसा उल्लेखनीय कार्य था, जिससे मछली पालन के क्षेत्र में एक नई क्रांति आई। इस क्रांति को नीली क्रांति का नाम दिया गया। इस क्रांति से देश में लाखों लोगों को मछली पालन से जोड़ा गया है। इस उपलब्धि के लिये देश में हर साल 10 जुलाई को मछुआ दिवस मनाया जाता है। मछुआ कलयाण सचिव डॉ. कोठारी ने कहा कि प्रदेश में मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास के लिये ठोस प्रयास किये जा रहे है। अधिक से अधिक मछुआरों को सहकारी समिति के दायरे में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रदेश में 3 लाख 42 हजार मीट्रिक टन मत्स्योत्पादन का लक्ष्य हासिल किया गया। उन्होंने कहा कि मछुआरों की सहकारी समितियों से आगामी वर्ष में प्रदेश में 3 लाख 90 हजार मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन के लक्ष्य को हासिल किया जाएगा।

कार्यक्रम में संचालक मत्स्य उद्योग भरत सिंह और मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती ज्योति टोप्पो ने भी संबोधित किया। तालाबों से मत्स्य उत्पादन में मछुआ सहकारी समितियों के सदस्य लगातार प्रगति कर रहे हैं श्रीमती टोप्पो द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी मछुआ भाई बहनों की सराहना की। मछुआ दिवस के मौके पर प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मछुआरों को पुरस्कृत किया गया।

सरकारी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में होगा ऑनलाइन कॅरियर मार्गदर्शन

भोपाल(काप्र)। प्रदेश के सरकारी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिये कैरियर मार्गदर्शन होगा। इसके लिये नोडल शिक्षकों को वेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की गई है।

वर्तमान में विद्यार्थियों में स्किल डेवलपमेंट के लिये यू-रिपोर्ट के माध्यम से लाईव-11 कोर्स्का उपयोग प्रदेश के सीएम राइज और पीएम श्री विद्यालयों के विद्यार्थी उपयोग कर रहे हैं। कैरियर मार्गदर्शन का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय की समझ एवं कैरियर के महत्व को समझाना और कक्षा 10वीं के बाद विषय संबंधित निर्णय लेने में सहायक बनाना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर के बारे में जानकारी दी जायेगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को आगे चलकर स्वयं का व्यवसाय और उद्यमशीलता के बारे में जानकारी दी जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं संबंधित विद्यालयों में नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाये। वेबिनार में विद्यार्थी अपनी शंका का समाधान और जिज्ञासा चैट में प्रश्न कर सकते हैं। प्रदेश के पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन ऐसे विद्यालयों में किया जायेगा जिनके परिसर में आंगनवाड़ी संचालित नहीं है। प्रदेश में 4473 विद्यालयों को चिन्हित किया गया है। जहाँ कक्षा एक से 12, एक से 10वीं, एक से 8वीं और एक से पाँचवी के विद्यालय हैं, ऐसे विद्यालयों में नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 का संचालन किया जायेगा। इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी को शाला सत्यापन के साथ इनके प्रमाणीकरण के लिये भी कहा गया है।

अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 78.71 प्रतिशत मतदान

भोपाल। छिन्दवाड़ा जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-123 अमरवाड़ा (अजजा) में उप निर्वाचन के लिये बुधवार (10 जुलाई) को शांतिपूर्ण रूप से मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चली मतदान प्रक्रिया में कुल 78.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यहाँ 80.00 प्रतिशत पुरूष मतदाताओं एवं 77.40 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने लोकतंत्र की मजबूती के लिये अपने मताधिकार का उपयोग किया। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कौल ने बताया कि अमरवाड़ा (अजजा) में बुधवार को शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ। अब यहां शनिवार, 13 जुलाई को मतगणना कराई जायेगी।

मंत्री प्रहलाद पटेल की पीआरओ ने की आत्महत्या

भोपाल(काप्र)। राजधानी के गोविंदपुर थाना इलाके के साकेत नगर में परिवार सहित में रहने वाली पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के दफ्तर में पदस्थ महिला जनसंपर्क अधिकारी पूजा माया थापक ने बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सुश्री पूजा जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर थी। उनके पति निखिल दुबे भी प्रौद्योगिकी विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। दो साल पहले दोनों की लव मैरिज हुई थी, दंपत्ती का एक साल का बच्चा है। रात को 12 बजे पूजा का पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। झगड़े के बाद गुस्से में वह अपने कमरे में चली गई और वहां फांसी लगा ली। बाद में जब निखिल पत्नी के कमरे में पहुंचे तो उन्हें पूजा का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पति उन्हें फंदे से उतार कर एम्स ले गए वहां उन्हें कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने पूजा को मृत् घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पति-पत्नी के बीच पहले भी झगड़े हुए हैं जिसके चलते पूजा ने पति की शिकायत भी थी। हालांकि बाद में दोनों के बीच काउंसलिंग कराई गई इसके बाद दंपत्ति दोबारा साथ रहने के लिए राजी हुए थे। अधिकारियों का कहना है, कि शुरुआती जांच में घटना स्थल से ऐसा कोई सुहाग नहीं मिला है। जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके। शुरुआती जांच में खुदकुशी का कारण पारिवारिक विवाद सामने आ रहा है।

रक्तदान महादान: रोटरी क्लब का ब्लड डोनेशन कैंप संपन्न

भोपाल (काप्र)।

रोटरी क्लब ऑफ भोपाल शाहपुरा द्वारा हमीदिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक की सहायता हेतु आईटीआई गोविंदपुरा में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर 41 यूनिट ब्लड डोनेशन कराया। छात्रों का ब्लड डोनेशन के प्रति उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम की शुरुआत डायरेक्टर हर्षिका सिंह (आईएएस), प्राचार्य श्रीकांत गोलाइन, रोटरी पूर्व गवर्नर जिनेंद्र जैन, ब्लड डोनेशन चेयर अनिल गुप्ता, मेडिकल कॉलेज डायरेक्टर पुनीत टंडन द्वारा किया गया। क्लब के कार्यक्रम अध्यक्ष मंजू जैन, क्लब अध्यक्ष रश्मि टोंग्या, सचिव जानकी आसानी, चंद्रशेखर कांवलकर, अमोल देवलालीकर, बीपी पाटीदार, अमलराज जैन, राकेश निगम के सहयोग से ही यह शानदार शिविर संपन्न हुआ। एनसीसी के छात्रों एवं प्रभारी संतोष, विलास पूरे समय ब्लड डोनेशन शिविर की व्यवस्था संभालते रहे। शासकीय, संभागीय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने सभी का आभार व्यक्त किया

कबाड़ी, ड्रायवर और मजदूर कर रहे थे गांजा तस्करी, क्राइम टीम ने किया गिरफ्तार

भोपाल(काप्र)। राजधानी की क्राइम टीम ने चार गांजा तस्करो को दबोचते हुए उनके कब्जे से देड़ लाख से अधिक कीमत का गांजा जप्त किया है। आरोपी कबाड़े, ड्रायवरी और मजदूरी का काम करते है, जो दूसरे शहर से सस्ते दामो में गांजा लाकर भोपाल के अलग-अलग इलाको में थोड़ी थोड़ी मात्रा में खपाते थे। एडीपीसी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली की चार सदिंग्ध व्यक्ति गौतम नगर थाना इलाके के निर्णाधीन बैरसिया बस स्टैण्ड के पास प्लास्टिक के थेलो में गांजा लेकर उसकी डिलेवरी देने के लिये किसी का इंतेजार कर रहे हैं। खबर मिलते ही टीम ने मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर घेराबंदी करते हुए दबोच लिया। पूछताछ में उनकी पहचान अनस खान पिता अनवर खान (22) निवासी अजुर्न नगर औबेदुल्लागंज,योगेश बागवान उर्फ रूपा पिता रमेश बागवान (19) निवासी शास्त्री कालोनी,नसरूल्लागंज, भगवान परते पिता गणेश परते (45) निवासी तलैया मोहल्ला नसरूल्ला गंज और अशोक मालवीय पिता हरभजन सिंह मालवीय (22) निवासी ग्राम खनपुरा सौसायटी,नसरूल्लागंज के रुप में हुई। चारो के पास मौजूद चार प्लास्टिक के थैलों की तलाशी लेने पर उसमें 8 किलो 196 ग्राम गांजा रखा हुआ मिला। पुलिस चारों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ कर रही है।

रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाएं: हरेन्द्र

भोपाल (काप्र)।

नगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देशित किया कि रात्रि-कालीन सफाई व्यवस्था को और बेहतर ढंग से सफाई करने तथा व्यवसायिक क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए।

श्री नारायन ने स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना के अनुरूप साफ-सफाई व्यवसथा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही मुख्य मार्गों के सेंट्रल वर्ज के दोनों ओर से मिट्टी हटवाकर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने पौधों की सुरक्षा के लिए जोन स्तर पर ही समन्वय कर टीगार्ड लगाने के भी निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने मनुआभान टेकरी के पास साफ-सफाई व्यवस्था में संलग्न स्वच्छता सेवक से संवाद किया और सुरक्षा उपकरण दस्ताने न पहनने तथा भक्कू न होने पर कोई संतोषजनक जवाब न दिए जाने पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी से दस्ताने, जाकेट एवं भक्कू मंगवाकर स्वच्छता सेवक को भेंट किया और उसे सुरक्षा उपकरण पहनकर ही साफ-सफाई करने की समझाइश दी। श्री नारायन ने बुधवार को लिंक रोड नंबर 01, न्यू मार्केट, बाणगंगा, पॉलीटेक्निक, रेतघाट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी, एयरपोर्ट रोड, बैरागढ़ मार्ग आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और निगम अधिकारियों को समक्ष में एवं वी.सी.के माध्यम से निर्देशित किया कि रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जाए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने व्यवसायिक क्षेत्रों में भी साफ-सफाई में विशेष ध्यान देने तथा कचरा आदि तुरंत उठवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना के अनुरूप शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने लिंक रोड नंबर 01 सहित शहर के मुख्य मार्गों के सेंट्रल वर्ज के दोनों ओर से मिट्टी हटवाकर साफ-सफाई बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए। श्री नारायन ने पौधों की सुरक्षा के लिए जोन स्तर पर ही समन्वय कर टीगार्ड लगाने के सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने मनुआभान टेकरी एवं पंचवटी ओवर ब्रिज के नीचे तथा मार्ग के दोनों ओर कचरे के ढ़ेर पाए जाने और कई स्थानों पर जी.वी.पाईंट बनने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कचरा आदि तुरंत उठवाने और बेहतर साफ-सफाई कराने के सख्त निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने मनुआभान टेकरी के पास साफ-सफाई व्यवस्था में संलग्न स्वच्छता सेवक से संवाद किया।

बौद्ध शिक्षा केन्द्रों में व्यक्तित्व निर्माण ही मूल लक्ष्य: सुष्मिता पांडे

भोपाल (काप्र)। बौद्धधर्म-दर्शन एवं मूल्यपरक शिक्षा पर पांच दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न बौद्ध शिक्षा केंद्रों के विकास के साथ ही बौद्धाचार्यों के शिक्षा में योगदान पर चर्चा हुई।

प्रो. सुष्मिता पांडे ने बताया कि संघ की सहकार भावना से संचालित बौद्ध शिक्षा केन्द्र तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वलभी, जगद्दल और ओदन्तपुरी में लगभग 1200 वर्षों तक शिक्षा की धुरी रहे। प्रो. पांडे के मुताबिक शिक्षा का खर्च समाज उठाता था। नालंदा में 8500 छात्र और 1500 शिक्षक थे और 100 गांवों के कर से खर्च चलता था और 200 गांव के लोग रोजाना भोजन की व्यवस्था करते थे। शिक्षा के प्रसार का उदाहरण इसी से समझ सकते है कि चीनी यात्री ह्वेनसांग कश्मीर में 2 साल रहा और वहां के राजा ने अनुवाद के लिए 20 लिपिक उनको दिये थे।

प्रो. पांडे ने बताया कि वज्रयान में स्त्री बुद्ध का भी विवरण मिलता है जिन्हें वज्रिणी, धर्म-वज्रिणी, कर्म-वज्रिणी, वर्ज-योगिनी के नाम से बुलाया गया है। उन्होंने बुद्ध काल में विक्रमशिला विवि का विवरण देते हुए बताया कि 53 प्रमुख मंदिर, 54 साधारण मंदिर और एक मुख्य मंदिर के साथ 6 सभागार थे जिनके दरवाजे पर विषय विद्वान प्रवेश समिति सदस्य होते थे जिन्हें द्वार पंडित कहा जाता था। शिक्षा सभी के लिए उपलब्ध थी लेकिन प्रवेश से पूर्व द्वारपंडित को ज्ञान से संतुष्ट करना होता था। प्रवेश के मानक बहुत कड़े थे और सिर्फ 20 प्रतिशत छात्र ही प्रवेश पाते थे। नागार्जुन, आर्यदेव, असंग, वसुबंधु, धर्मपाल, धर्मकीर्ति, पद्मसंभव, दीपंकर श्रीज्ञान,मोक्षाकर गुप्त, कुमारजीव जैसे विद्वान पढ़ाते थे।

स्पेशल खबर मांगों का त्वरित निराकरण करें...

सफाई कामगारों के साथ न्याय होना चाहिए: दिग्विजय

भोपाल (काप्र)।

मध्य प्रदेश कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आज प्रदेश भर के प्रकोष्ठ के सफाई कामगारों के हित और अधिकारों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया गया।

कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में सफाई मजदूर कामगार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एकत्र हुये जहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजयसिंह ने उन्हें संबोधित किया। उसके बाद सभी कांग्रेसजन पैदल मार्च करते हुये मुख्यमंत्री निवास की ओर आगे बड़े। सफाई मजदूर कामगार के पदाधिकारियों ने नारेबाजी कर अपनी जायज मांगों के निराकरण किये जाने की पुरजोर मांग की। प्रशासन ने पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें रेडक्रास के पास रोक लिया और आगे नहीं जाने दिया गया।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि सफाई कामगारों के साथ न्याय होना चाहिए, ठेका व्यवस्था बंद होना चाहिए और सफाई कामगारों के रिक्त पदों पर नई भर्ती की जाना चाहिए तथा उनके जीवन-यापन में सुधार लाने हेतु सरकार को नयी नीति लागू करना चाहिए। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सफाई मजूदर कामगारों की मांगों को जायज बताते हुये शीघ्र निराकरण किये जाने की सरकार से मांग की। क्योंकि पिछले कई वर्षों से सफाई कामगार अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

जयराजसिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के सफाई मजदूर कामगारों में व्याप्त असंतोष और शोषण के खिलाफ आवाज उठाते हुये मुख्यमंत्री निवास का घेराव कर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान श्री चौहान एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा सफाई कामगारों के ठेका प्रथा को समाप्त करने, विनियमित कर्मचारी को नियमित करने, वेतन के साथ 5000 रूपये जोखिम भत्ता अतिरिक्त देने जाने सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन पुलिए अधीक्षक एवं एसडीएम को सौपा गया। उन्होंने कहा कि विगत 1 वर्ष पूर्व भी सफाई कामगारों की विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव किया गया था, लेकिन सफाई मजदूर कामगार विरोधी सरकार द्वारा उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई। धरना प्रदर्शन एवं घेराव कार्यक्रम में मप्र कांग्रेस समस्त प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया, प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण देवकरण इंदौरा, महेश नंद मेहर, दीपक खरे, महेश गोहर, सोनू सोंधिया, दारासिंह कटारे, अरविंद मछन्दर सहित बड़ी संख्या में प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल थे।